RESEARCHERID
THOMSON REUTERS

[FRTSSDS- June 2018]
DOI: 10.5281/zenodo.1302280

ISSN 2348 – 8034
Impact Factor- 5.070

GLOBAL JOURNAL OF ENGINEERING SCIENCE AND RESEARCHES

महेश्वर हथकरघा उद्यमियों के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित जनकल्याण योजनाओं का अध्ययन

प्रतिष्ठा दासौंधी[1] डॉ. मंजु शर्मा[2]

(गृहविज्ञान) शोधार्थी[1] प्राध्यापक (गृह विज्ञान)[2] माता जीजाबाई शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय मोती तबेला, इंदौर (म.प्र.)

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध पत्र महेश्वर हथकरघा उद्यमियों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के अध्ययन से संबंधित है। इस योजनाओं कें अंतर्गत उद्यमियों को सरकार के द्वारा दिये जाने वाले लाभ व सुविधाओं से संबंधित जानकारियोंप्राप्त करेंगे । उन्हें सरकार के द्वारा चलाई गई योजनाओं की जानकारी है या नही व उनको सरकार के द्वारा प्राप्त सुविधाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। शोध अध्ययन में आदि तथ्यों को ज्ञात किया गया है।

Keywords: *अभिकल्पना (कारीगरी), कलाकृतिया, उकेरा, पर्यटन स्थल, हथकरघाए*

I. महेश्वर हथकरघा उद्योग का परिचय –

महेश्वर, महेश्वरी साडियों के उद्योग के लिए विश्व में प्रसिद्ध है। महेश्वर हथकरघा क्षेत्र की नींव होल्कर राज्य की रानी देवी अहिल्या बाई होल्कर के द्वारा रखी गई, सन् 31 मई 1767 से 31 अगस्त 1795 तक उनका शासन काल रहा। हथकरघा उद्यमियों के द्वारा वस्त्रों पर अनेकों प्रकार से अभिकल्पना (कारीगरी) की जाने लगी जिससे वस्त्रों की सुन्दरता दिन प्रतिदिन बढ़ने लगी। यहा पर नर्मदा नदी प्रवाहित होती है जिनके तटीय क्षेत्र में विभिन्न घाट बने है उन घाटो पर कई प्रकार की कला कृतियाँ बनी हुई है उद्यमियों ने उन कलाकृतियों को वस्त्रों पर उकेरा। जिससे वस्त्रों की सुन्दरता व आकर्षण में वृद्धि हुई। जिससे महेश्वर के वस्त्रों की विश्व स्तर पर ख्याति बढ़ी। देश विदेश में महेश्वर के नाम को जाना जाने लगा। वर्तमान में यहाँ पर लगभग 1900 हथकरघे कार्यशील अवस्था में है। इन हथकरघा पर 4000–5000 लोग कार्य करते है आज महेश्वर की लोकप्रियता और प्रसिद्धि धार्मिक नगरी व पर्यटन स्थल के अतिरिक्त महेश्वरी साडियो के लिए भी प्रसिद्ध है।

II. हथकरघा उद्यमियों के लिए सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं का विवरण

1. **ऋण माफी योजना**–हथकरघा बुनकरो के द्वारा पूर्व वर्षों में वस्त्र बुनाई/कार्यशील पूंजी हेतु बैंकों से ऋण लिया गया है । जो उक्त ऋण को चुकाने में असमर्थ रहा है तो उस उद्यमी को 50हजार राशितक माफी का प्रावधान है।
2. **हथकरघा बुनकर कार्ड योजना :** इस योजना में बुनकरों को उपकरण या धागे पर क्रय करने के लिए बुनकर उद्यमी कार्ड पर 4200 रू. अनुदान देने का प्रावधान है।
3. **स्वास्थ्य बीमा योजना –** इसमें बुनकरों का हितग्राही के अंश से आई.सी.आई.सी.आई. लोम्बार्ड के माध्यम से 50 रू. प्रति वर्ष किश्त पर बीमा कराया जाता है। उसमें बुनकर के 3 सदस्य जुड़े रहते है तथा उन्हें 15000 रू. तक की बीमा राशि लेने का प्रावधान है।
4. **समूह बीमा योजना –** इस योजना के तहत भारत सरकार राज्य शासन जीवन बीमा निगम के तहत 80 रू. प्रति वर्ष किश्त से बीमा किया जाता है जिसमें साधारण मृत्यु पर 50000 व दुर्घटना मृत्यु पर 80000 रू. तक की राशि नामांकित परिवार के सदस्यों को दी जाती है।

उद्देश्य

1. भारत सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी उद्यमियों से प्राप्त करना।
2. उद्यमियों द्वारा योजना का लाभ एवं भुगतान किस प्रकार से किया जा रहा है ज्ञात करना ।

साहित्य का पुर्नरावलोकन

1. वैकटेश्वर के अनुसार (2014)–तिरूनेवेली जिले के हथकरघा उद्यमियों के किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसका अध्ययन किया गया।
2. तिवारी एट एल के अनुसार – वर्धा के कपडा मजदूरों में श्वसन तपेदीक अकडन की समस्याओं का अध्ययन किया गया।

III. शोध पद्धति

शोध क्षेत्र का चयन:– शोध क्षेत्र के रूप में खरगौन जिलें के महेश्वर तहसील को उद्श्यानुसान चयनित किया गया है। महेश्वर तहसील में हथकरघोका चयन देव निदर्शन विधि से किया गया है। चयनित हथकरघा पर कार्यरत उद्यमीयों द्वारा शासकीय योजनाओं से लाभान्वित होने एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी के संबंध में तथ्यों को ज्ञात किया गया है।

समग्र एवं निदर्शन का चयन –

शोध अध्ययन में महेश्वर तहसील के समस्त हथकरघो पर कार्यरत उद्यमियों को समग्र के रूप में सम्मिलित किया गया उनमें से 100 उद्यमियों का चयन दैवनिदर्शन विधि से किया गया है।

[FRTSSDS- June 2018]
DOI: 10.5281/zenodo.1302280
ISSN 2348 – 8034
Impact Factor- 5.070

तथ्यों का वर्गीकरण एवं सारणीयन–

शोध पत्र में एकत्रित तथ्यों को मुख्य सारणियों में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही उनके प्रतिशत को ग्राफ आलेखों के द्वारा प्रदर्शित किया गया है इसमें हथकरघा उद्यमियों को किन–किनयोजनाओं की जानकारी है या नहीं व उनके द्वारा किन योजनाओं का भुगतान किया गया है या नहीं यही विवरण है।

तलिका क्रमांक–1
सरकार केद्वारा चलाई जा रही योजनाओं में लाभार्थी उद्यमियों का विवरण–

क्र.	सरकार की योजनाएं	लाभार्थी	प्रतिशत
1	ऋण माफी योजना	5	5:
2.	बुनकर कार्ड योजना	2	2:
3.	स्वास्थ्य बीमा योजना	13	13:
4.	समूह बीमा योजना	80	80:
	योग	100	100:

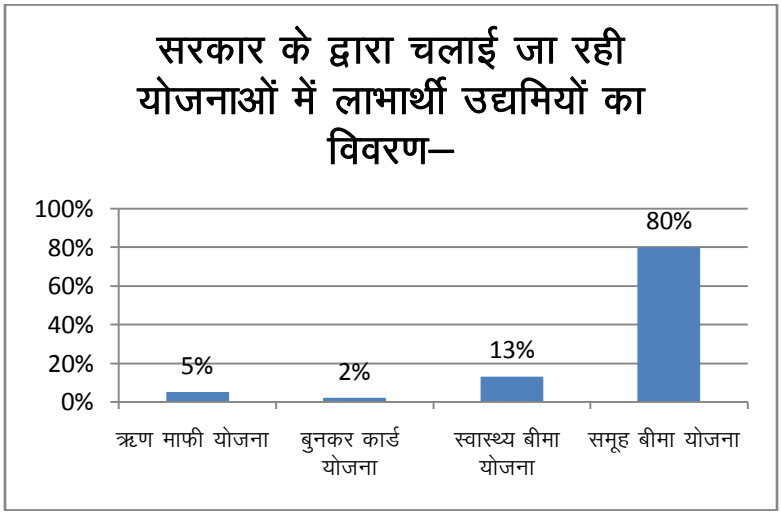

तालिका–2
उद्यमियों में योजनाओं के प्रति जागरूकता का विवरण–

क.	सरकार की योजनाएं	उद्यमी	प्रतिशत
1	योजनाओं की जानकारी थी	45	45:
2.	योजनाओं की जानकारी नहीं थी	02	2:
3.	दो योजनाओं की जानकारी थी	40	40:
4.	सिर्फएक योजना की जानकारी थी	13	13:
	योग	100	100

[FRTSSDS- June 2018]
DOI: 10.5281/zenodo.1302280
ISSN 2348 – 8034
Impact Factor- 5.070

उद्यमियों में योजनाओं के प्रति जागरूकता का विवरण–

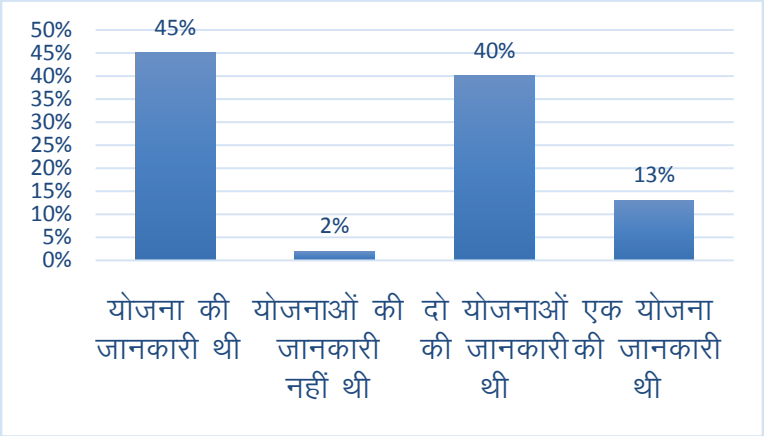

IV. विश्लेषण

प्राप्त तथ्यों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि शासन द्वारा वस्त्र उद्यमियों के लाभार्थ चालाई जा रही योजनाओं की पूर्ण जानकारी मात्र 45 प्रतिशत उद्यमियों को थी। 40 प्रतिशत उद्यमियों को एक से अधिक योजनाओं की जानकारी थी जबकि 13 प्रतिशत को मात्र एक योजना की जानकारी थी 2 प्रतिशत उद्यमियों को किसी भी शासकीय योजना की जानकारी नही थी।

V. निष्कर्ष

प्रस्तुत तालिका व ग्राफ के ऑकड़ों के से विश्लेषण निष्कर्ष के रूप में ज्ञात होता है कि 2 प्रतिशत उद्यमियों में शासन के द्वारा चलाई गई योजनाओं की कोई जानकारी नहीं पाई गई है। उनमें जागरूकता की कमी दिखाई दी गई।

सरकार के द्वारा संचालित सभी योजनाओं से लाभ करने की स्थिति के आकड़े निम्नानुसार है तो ऋण माफी योजना का लाभ 05 प्रतिशत उद्यमी ही ले रहे है बुनकर कार्ड योजना का लाभ 2 प्रतिशत उद्यमी ले रहे है, स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ 13 प्रतिशत उद्यमी ही ले पा रहे है, समूह बीमा योजना का लाभ अधिकांश 80 प्रतिशत बुनकर ले रहे है।

सरकार के द्वारा चलाई गई योजना के प्रति जागरूकता को देखे तो सारी योजनाओं की जानकारी 45 प्रतिशत उद्यमियों को है व सरकार की किसी भी योजनाओं की जानकारी नहीं है दो योजनाओं की जानकारी 40 प्रतिशत उद्यमियों में जबकि मात्र एक योजना की जानकारी 13 प्रतिशत उद्यमियों में दिखाई दी गई। इस प्रकार 45 प्रतिशत को समस्त शासकीय योजनाओं की जानकारी है 53 प्रतिशत को एक या दो योजनाओं की जानकारी तथा 2 प्रतिशत उद्यमि शासकीय योजनाओं से पूर्णतः अनभिज्ञ हैं।

VI. सुझाव

शोध अध्ययन में यह पाया गया कि उद्यमीयों को सरकार के द्वारा चलित सभी योजनाओं के प्रति जागरूकता में कमी पाई गई है। उनको समस्त योजनाओं की जानकारी होना अत्यन्त आवश्यक है। इन योजनाओं से वे उद्यमी अपने व्यवसायिक कार्यों में बढ़ोतरी कर सकते है। तथा अपने जीवन के स्थर को आर्थिक रूप से ऊपर उठा सकते है वेअपने व्यवसाय में अधिक से अधिक बदलाव ला सकते है।

जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार एवं संचार साधनों में वृद्वि की जानी आवश्यक है, इसके लिये साहयता केन्द्र स्थापित किये जाने चाहिये जंहा प्रत्यक्षतः उद्यमियो की इस सम्बन्ध में जानकारी दि जा सके जहाँ उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रावधान किया जाना आवश्यक है।

REFERENCES

[1] पोषण स्तर – डॉ. स्नेहलता
[2] पोषण विज्ञान – श्री लक्ष्मीसंस्करण
[3] हथकरघा शिक्षण केन्द्र – टी.एम.अंसारी
[4] व्यवसायिक प्रबंध के सिद्धांत – आ.सी. अग्रवाल
[5] सांख्यिकी के मूलतत्व – डॉ.एच.के. कपील
[6] शैक्षिक शोध – डॉ. हंसराज पाल
[7] संसाधन प्रबंध का परिचय – डॉ. मंजु शर्मा
[8] अनुसंधान सांख्यिकी – डॉ. मंजु पाटनी
[9] इंटरनेट सुविधा के द्वारा – बेवसाइट के द्वारा